*कंप्यूटर साफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकीयुक्त सेवा निर्यात: 2015-16**

कंप्यूटर साफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकीयुक्त सेवा (आईटीईएस) निर्यात संबंधी वार्षिक सर्वेक्षण में कंप्यूटर सेवा के निर्यात एवं आईटीईएस निर्यात से संबंधित विभिन्न आयामों की जानकारी एकत्रित की जाती है, जिसमें कारोबार प्रक्रिया आउटसोर्सिंग (बीपीओ) भी शामिल होती है। साफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात के ब्योरे गतिविधि/सेवाओं (आनसाइट/आफसाइट) के प्रकार एवं गंतव्य देश की जानकारी के साथ-साथ आपूर्ति के तरीकों की जानकारी एकत्रित की जाती है। वर्ष 2015-16 के सर्वेक्षण चक्र के परिणाम जो यहां प्रस्तुत किए गए हैं, उनमें तीन-चौथाई क्षेत्र के निर्यात शामिल किए गए हैं। इस आलेख में प्रमुख समूहकों (एग्रीगेट्स) का विश्लेषण किया गया है जो हाल के सर्वेक्षण चक्र पर आधारित हैं तथा साफ्टवेयर सेवा निर्यात की विशेषताओं में होने वाले किसी भी प्रकार के परिवर्तनों का भी इसमें परीक्षण किया गया है।

I. प्रस्तावना

राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (2001) की सिफारिशों के अनुसरण में भारतीय रिज़र्व बैंक वर्ष 2002-2003 से 'कंप्यूटर साफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकीयुक्त सेवा (आईटीईएस) निर्यात' संबंधी वार्षिक सर्वेक्षण करता रहा है ताकि कंप्यूटर सेवाओं/आईटीईएस/कारोबार प्रक्रिया आउटसोर्सिंग (बीपीओ) के निर्यात के विभिन्न पहलुओं का आकलन किया जा सके। सर्वेक्षण में कंप्यूटर सेवाओं के निर्यात की जानकारी संकलित की जाती है जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के भुगतान संतुलन और अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति मैनुअल (बीपीएम6) और सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सांख्यिकी संबंधी मैनुअल (एमएसआईटीएस) का पालन किया जाता है, यह सर्वेक्षण सात अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का संयुक्त प्रयास है, तथा आईटीईएस/बीपीओ सेवा निर्यात से संबंधित अन्य चुनिंदा जानकारी को भी शामिल किया जाता है। पिछला सर्वेक्षण[1] चक्र संदर्भ वर्ष 2014-15 के लिए किया गया था।

एमएसआईटीएस के अनुसार, सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार चार अलग-अलग तरीके (मोड) से किया जा सकता है: (i) निवासी और अनिवासी के बीच लेनदेन जिसमें सीमापार में आपूर्ति शामिल है (मोड-1), विदेश में उपभोग (मोड-2) तथा नैसर्गिक व्यक्ति की उपस्थिति (मोड-4) और (ii) मान्यताप्राप्त संस्थाएं जो विदेश में स्थित है उनके द्वारा स्थानीय स्तर पर दी जाने वाली सेवाएं अर्थात् कमर्शियल उपस्थिति (मोड-3)। लेकिन, बीओपी मैनुअल के अनुसार विदेश में स्थापित विदेशी मान्यता प्राप्त संस्थाओं को मेज़बान देश में घरेलू यूनिट माना जाता है इसलिए उनके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं को घरेलू देश से निर्यात नहीं माना जाता है। इस सीमा तक बीओपी में दिए गए सेवा निर्यात संबंधी आंकड़े विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाओं की व्यापार सांख्यिकी (एफएटीएस) से भिन्न होंगे।

नवीनतम सर्वेक्षण चक्र, जो इस श्रृंखला में दसवां चक्र था, इसमें 7200 कंपनियों को दायरे में लेना था, जिनमें से अधिकांश बड़ी आईटी कंपनियों सहित 1162 कंपनियों ने जवाब दिया था। इनमें से 123 ने शून्य विवरणी भेजी थी या बंद हो गई कंपनियां थीं, शेष 1039 कंपनियों का वर्ष के दौरान कुल मिलाकर साफ्टवेयर सेवा निर्यात में हिस्सा 77.6 प्रतिशत था। उत्तर न देने वाली कंपनियों के साफ्टवेयर निर्यात के आकलन का तरीका अनुबंध में दिया गया है।

II. भारत से साफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात- हाल की प्रवृत्ति

भारतीय अर्थव्यवस्था में कंप्यूटर साफ्टवेयर और आईटी-युक्त सेवाएं बहुत ही महत्वपूर्ण गतिविधियां हैं, जिनका निवल निर्यात भी ज्यादा होता है। भुगतान संतुलन (बीओपी) सांख्यिकी के अनुसार भारत का साफ्टवेयर सेवा निर्यात (आनसाइट निर्यात के अलावा) वर्ष 2015-16 में 4854.6 बिलियन रुपए था जो भारत से किए गए कुल सेवा निर्यात का तकरीबन 48 प्रतिशत था और जीडीपी का लगभग 3.6 प्रतिशत था। सर्वेक्षण में साफ्टवेयर सेवा निर्यात को दो प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया गया है: (i) साफ्टवेयर सेवा निर्यात जिसमें शामिल हैं आईटी सेवा तथा साफ्टवेयर उत्पाद विकास; और (ii) आईटीईएस/बीपीओ सेवाएं (इंजीनियरिंग सेवाओं सहित)। वर्ष 2015-16 के दौरान कंप्यूटर साफ्टवेयर सेवा निर्यात और आईटीईएस/बीपीओ सेवाएं क्रमश: 4104.4 बिलियन रुपए (62.7 बिलियन अमरीकी डालर) तथा 1658.7 बिलियन रुपए (25.3 बिलियन अमरीकी डालर) का आकलन किया गया था।

---

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के बाह्य देयता और आस्ति सांख्यिकी प्रभाग में तैयार किया गया है । इस श्रृंखला का पिछला लेख 2014-15 की अवधि के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के जनवरी 2016 के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था।

[1] इस सर्वेक्षण से संबंधित विस्तृत परिणाम 20 अक्तूबर 2016 को भारतीय रिज़र्व बैंक के वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर डाटा -जारी करने वाले फार्म में निर्गत किया गया है,जिसमें सर्वेक्षण में कवर की गई कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर सेवाएं निर्यात के ब्यौरे को भी शामिल किया गया है।

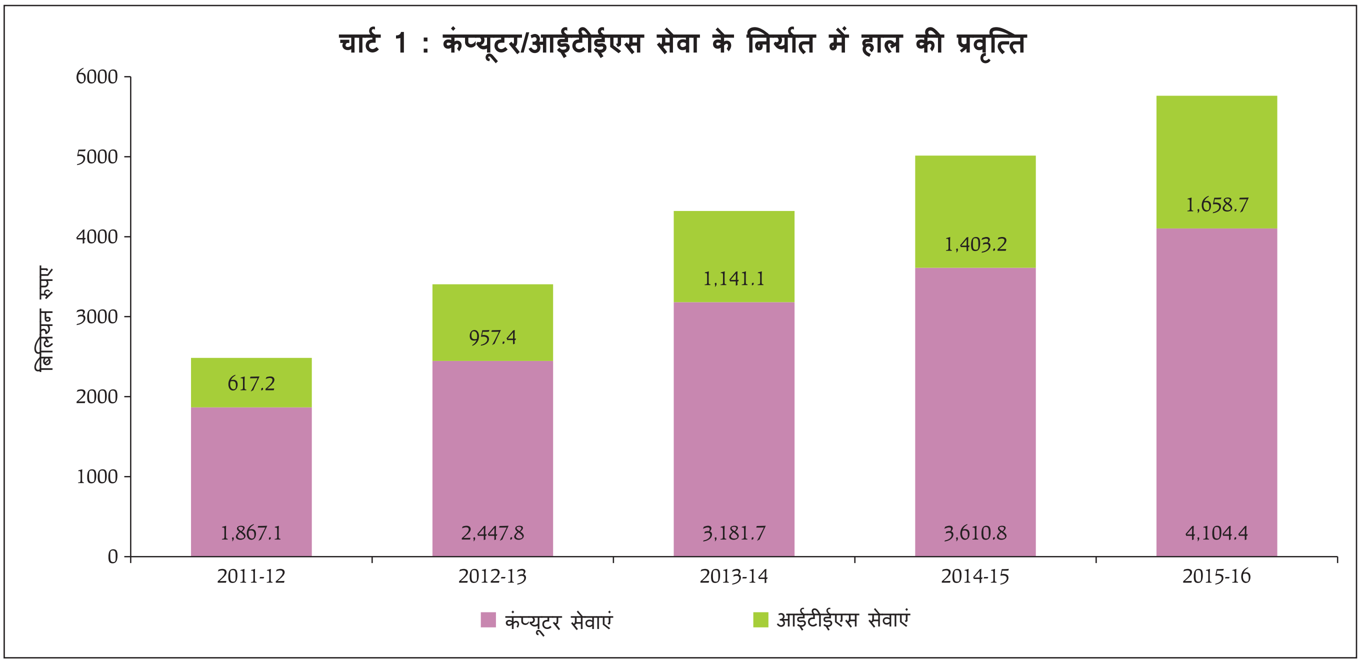

इसके अतिरिक्त, विदेश में कमर्शियल उपस्थिति के माध्यम से काफी निर्यात किया गया था।

भारत का कंप्यूटर साफ्टवेयर सेवा निर्यात और आईटीईएस/बीपीओ सेवाओं का कुल निर्यात मोड-1, मोड-2 तथा मोड-4 (अर्थात् कमर्शियल उपस्थिति को छोड़कर) 5763.1 बिलियन रुपए (88.0 बिलियन अमरीकी डालर) आकलित किया गया था, यदि अमरीकी डालर के हिसाब से देखें तो वार्षिक वृद्धि में 7.3 प्रतिशत की गिरावट हुई थी जिसकी तुलना में पिछले तीन वर्षों में यह वृद्धि 14 प्रतिशत से अधिक थी। 2015-16 के दौरान भारत के साफ्टवेयर सेवा निर्यात में कंप्यूटर सेवा का वर्चस्व बना रहा (लगभग 71.2 प्रतिशत हिस्सा, चार्ट 1 और सारणी 1)। वर्ष के दौरान कुल कंप्यूटर साफ्टवेयर में आईटीईएस/बीपीओ सेवा का हिस्सा तथा आईटीईएस सेवा निर्यात लगातार बढ़ता रहा है। 'कंप्यूटर सेवा' श्रेणी के अंतर्गत 'आईटी सेवाएं' प्रमुख घटक (कंपोनेंट) बने रहे हैं।

सारणी 1: भारत से साफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात के घटक (कंपोनेंट्स)

(बिलियन रुपए)

गतिविधि	साफ्टवेयर सेवा निर्यात					कुल में हिस्सा (%)		
	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2011-12	2014-15	2015-16
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
ए) कंप्यूटर सेवाएं	**1,867.1**	**2,447.8**	**3,181.7**	**3,610.8**	**4,104.4**	**75.2**	**72.0**	**71.2**
जिनमें से: i) आईटी सेवाएं	1,661.8	2,256.7	2,936.7	3,399.7	3,862.8	66.9	67.8	67.0
ii) साफ्टवेयर उत्पाद विकास	205.3	191.1	245.0	211.1	241.6	8.3	4.2	4.2
बी) आईटीईएस/बीपीओ सेवाएं	**617.2**	**957.4**	**1,141.1**	**1,403.2**	**1,658.7**	**24.8**	**28.0**	**28.8**
जिनमें से: i) बीपीओ सेवाएं	523.0	789.6	934.2	1,089.2	1,336.8	21.0	21.7	23.2
ii) इंजीनियरिंग सेवाएं	94.2	167.8	206.9	314.0	321.9	3.8	6.3	5.6
साफ्टवेयर सेवाओं का कुल निर्यात (ए+बी)								
बिलियन रुपए में (ए+बी)	2,484.3	3,405.2	4,322.8	5,014.0	5,763.1	100.0	100.0	100.0
बिलियन अमरीकी डालर में*	51.8	62.6	71.4	82.0	88.0			
वार्षिक वृद्धि (अमरीकी डालर में)		20.8	14.1	14.9	7.3			

* वर्ष के लिए औसत विनिमय दर का प्रयोग करते हुए (समस्त सारणियों के लिए लागू)

सारणी 2: आईटीईएस/बीपीओ सेवा निर्यात का उद्योगवार हिस्सा

(प्रतिशत)

गतिविधि	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
बीपीओ सेवाएं	**84.7**	**82.5**	**81.9**	**77.6**	**80.6**
ग्राहक परस्पर संपर्क सेवाएं	14.4	10.9	8.4	4.6	3.5
वित्त एवं लेखांकन, लेखापरीक्षा, बुककीपिंग और कर परामर्शी सेवाएं	23.5	9.7	11.2	12.2	11.2
मानव संसाधन प्रशासन	0.2	0.9	0.7	0.9	1.2
खरीद एवं संभारतंत्र	0.0	0.4	0.3	0.5	0.5
चिकित्सा नकलनवीसी	0.2	0.7	1.3	1.0	0.8
दस्तावेज़ प्रबंधन	0.4	0.5	0.9	0.7	0.4
अंतर्वस्तु विकास और प्रबंधन एवं प्रकाशन	0.7	1.4	0.9	0.9	0.8
अन्य बीपीओ सेवाएं	45.3	58.0	58.2	56.8	62.2
इंजीनियरिंग सेवाएं	**15.3**	**17.5**	**18.1**	**22.4**	**19.4**
सन्निहित साल्यूशन	2.1	4.1	5.3	4.1	4.3
उत्पाद डिजाइन इंजीनियरिंग (साफ्टवेयर छोड़कर मेकेनिकल, इलेक्ट्रानिक्स)	7.0	5.9	5.5	5.9	5.1
ओद्योगिक आटोमेशन और उद्यम आस्ति प्रबंधन	0.0	2.4	0.2	0.2	0.1
अन्य इंजीनियरिंग सेवाएं	6.2	5.1	7.1	12.2	9.9
कुल बीपीओ सेवाएं	**84.7**	**82.5**	**81.9**	**22.4**	**100.0**

III. आईटीईएस / बीपीओ सेवा निर्यात का उद्योगवार विभाजन

आईटीईएस/बीपीओ सेवा निर्यात का संकलन उद्योग के वर्गीकरण के लिए किया जाता है जो सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी-2003), भारत सरकार द्वारा दिया जाता है। बीपीओ सेवा निर्यात में वर्ष 2015-16 के दौरान *वित्त और लेखांकन, लेखापरीक्षा, बुककीपिंग तथा कर परामर्शी सेवाएं* तथा *ग्राहक परस्पर संपर्क सेवाएं* प्रमुख घटक थीं। बीपीओ निर्यात में पिछले वर्ष के 155.1 बिलियन रुपए की तुलना में 247.6 बिलियन रुपए की अत्यधिक वृद्धि हुई थी। दूसरी ओर, *इंजीनियरिंग सेवाओं* के निर्यात में केवल 7.9 बिलियन रुपए की कमी हुई थी (पिछले वर्ष 107.1 बिलियन रुपए था) (सारणी 1)। बीपीओ सेवाओं में, '*ग्राहक परस्पर संपर्क सेवाओं*' का हिस्सा तथा '*वित्त और लेखांकन, लेखापरीक्षा, बुककीपिंग तथा कर परामर्शी सेवाओं*' का हिस्सा घट गया था (सारणी 2)। वर्ष के दौरान *इंजीनियरिंग सेवाओं* के अंतर्गत *निहित साल्यूशंस* का हिस्सा थोड़ा सा बढ़ गया था। लेकिन *अन्य बीपीओ सेवाएं* (अर्थात् विधिक सेवाएं, ऐनीमेशन, गेमिंग, फार्मास्युटिकल्स तथा बायोटेकनालाजी सेवाएं आदि तथा कई सेवाएं मिलाकर) आईटीईएस/बीपीओ सेवाओं के आधे से अधिक हैं, जिनमें 2015-16 में 236.2 बिलियन रुपए की वृद्धि हुई है (सारणी 2)।

IV. साफ्टवेयर सेवा निर्यात का संगठनवार विभाजन

भारतीय कंपनियों की विदेशी सहयोगी संस्थाओं की ज्यादा से ज्यादा उपस्थिति से कुल साफ्टवेयर निर्यात में प्राइवेट लिमि. कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़ गई थी। हालांकि कुल साफ्टवेयर सेवा निर्यात में सार्वजनिक लिम. कंपनियों की हिस्सेदारी का वर्चस्व लगातार बना हुआ है लेकिन उनके हिस्से में निरंतर नीचे जाने की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है तथा 2012-13 के 64.6 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 54.4 प्रतिशत पर पहुंच गई हैं (सारणी 3)।

सारणी 3: साफ्टवेयर सेवा निर्यात की संगठनवार हिस्सेदारी

(प्रतिशत)

संगठन	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
प्रा.लिमि.कंपनियां	41.2	35.3	36.0	43.1	44.3
सार्वजनिक लिमि. कंपनियां	58.7	64.6	63.6	55.6	54.4
अन्य	0.1	0.1	0.4	1.3	1.3
कुल	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

चार्ट 2 : साफ्टवेयर सेवा निर्यात की देशवार हिस्सेदारी (%)

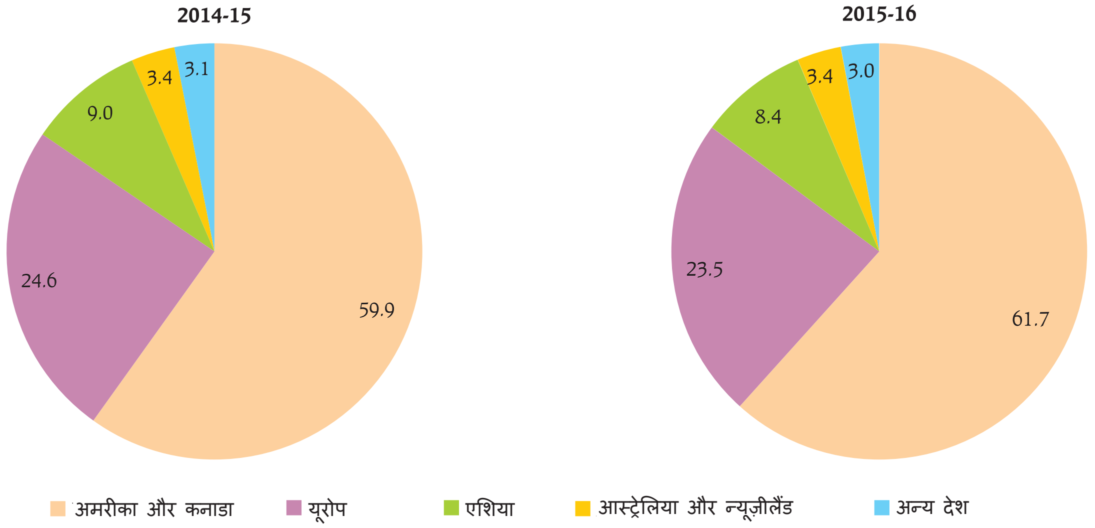

V. साफ्टवेयर सेवा निर्यात की देशवार हिस्सेदारी

भारत से किए गए साफ्टवेयर सेवा निर्यात में अमरीका और कनाडा सबसे बढ़िया गंतव्य थे, उसके बाद यूरोप जिसका हिस्सा लगभग एक-चौथाई था। साफ्टवेयर निर्यात में अमरीका और कनाडा का हिस्सा पिछले वर्ष के 59.9 प्रतिशत से बढ़कर 61.7 प्रतिशत हो गया था, जबकि यूरोप और एशिया का हिस्सा घट गया था (चार्ट 2)।

VI. साफ्टवेयर सेवा निर्यात का करेंसी कंपोजीशन

साफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात के लिए अमरीकी डालर अग्रणी इनवाइस करेंसी बना रहा। वर्ष 2015-16 के दौरान कुल इनवाइस की लगभग तीन-चौथाई इनवाइस अमरीकी डालर में बनी थी। साफ्टवेयर निर्यात में भारतीय रुपए में बनी इनवाइसें पिछले वर्ष के 3.4 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2015-16 में घटकर 1.3 प्रतिशत हो गई थीं। वर्ष के दौरान अमरीका, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड, और यूरो करेंसी का हिस्सा बढ़ गया था (चार्ट 3)।

चार्ट 3 : इनवाइस- साफ्टवेयर सेवा निर्यात का करेंसी कंपोजीशन (%)

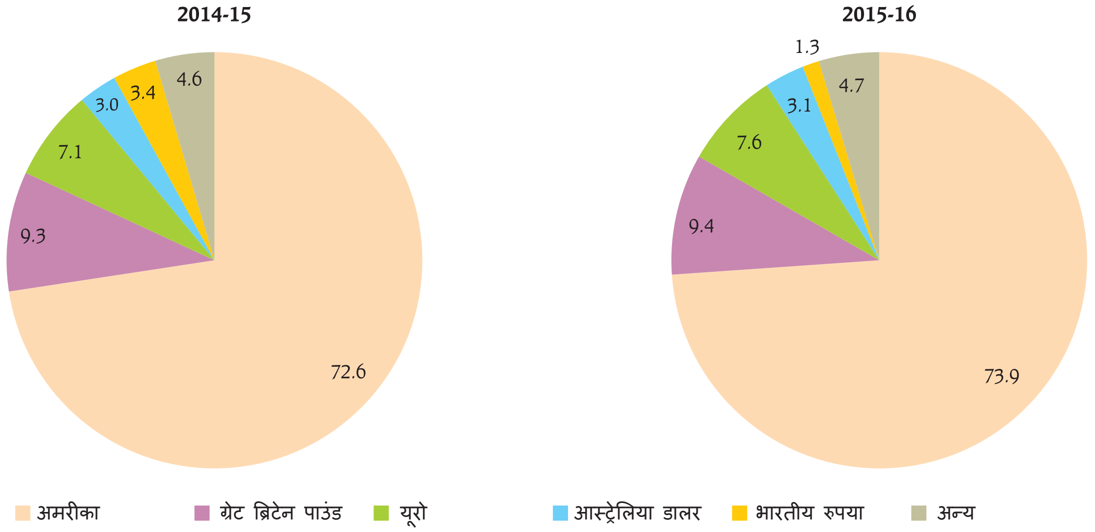

सारणी 4: आन-साइट और आफ-साइट निर्यात का हिस्सा

(प्रतिशत)

सेवाओं के प्रकार	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
आन-साइट (मोड-4)	17.8	15.8	19.8	20.0	19.9
आफ-साइट (मोड-1 और मोड-2)	82.2	84.2	80.2	80.0	80.1
कुल	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

VII. साफ्टवेयर सेवा निर्यात के तरीके (मोड)

भारत की साफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात आन-साइट एवं आफ-साइट एवं दोनों तरीकों से होता है। साफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात का हिस्सा 2015-16 में पिछले वर्ष के स्तर के समान ही रहा है (सारणी 4)। इस सर्वेक्षण में साफ्टवेयर सेवा व्यापार संबंधी डाटासप्लाई के सभी चार मोड के बारे में एकत्रित किए गए हैं। भारत द्वारा कंप्यूटर सेवाओं का सप्लाई के समस्त चारों मोड द्वारा किया गया कुल अंतरराष्ट्रीय व्यापार 2015-16 में 7102.8 बिलियन रुपए (107.1 बिलियन अमरीकी डालर) था। भारत द्वारा 2015-16 में मोड-3 (कमर्शियल उपस्थिति द्वारा) द्वारा किए गए साफ्टवेयर सेवा निर्यात का हिस्सा बढ़ गया था, जबकि मोड-1 (सीमा पार सप्लाई; जो समस्त मोड में सर्वाधिक था) का हिस्सा घट गया था (सारणी 5)।

सारणी 5: विभिन्न मोड के जरिए सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात

(प्रतिशत)

मोड के प्रकार	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
मोड1 *(सीमापार आपूर्ति)*	69.0	74.7	69.1	68.4	64.8
मोड2 *(विदेश में खपत)*	0.5	1.6	0.1	0.1	0.2
मोड3 *(कमर्शियल उपस्थिति)*	15.4	9.4	13.7	14.4	18.9
मोड4 *(नैसर्गिक व्यक्तियों की उपस्थिति)*	15.1	14.3	17.1	17.1	16.1

VIII. सहयोगी संस्थाओं/एसोसिएट्स के साफ्टवेयर कारोबार

विदेश में मान्यताप्राप्त संस्थाओं के संबंध में सांख्यिकी प्राप्त करने के उद्देश्य से इस सर्वेक्षण में भारतीय कंपनियों की विदेशी सहयोगी संस्थाओं/एसोसिएट्स के साफ्टवेयर कारोबार से संबंधित जानकारी भी संकलित की गई है, जिसे मेज़बान देश अर्थात् स्थानीय, भारत को और अन्य देश को किए गए साफ्टवेयर कारोबार शीर्ष के अंतर्गत है। भारतीय कंपनियों की विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाओं के कुल साफ्टवेयर कारोबार (भारत को दी गई सेवाओं को छोड़कर) पिछले वर्ष के 998.6 बिलियन रुपए (16.6 बिलियन अमरीकी डालर) की तुलना में इस वर्ष बढ़कर 1513.8 बिलियन रुपए (23.2 बिलयन अमरीकी डालर) हो गया था। इन सहयोगी संस्थाओं का भारत को किया गया कारोबार पिछले वर्ष के 335.7 बिलियन रुपए (5.5 बिलियन अमरीकी डालर) की तुलना में 2015-16 में घटकर 323.0 बिलियन रुपए (4.9 बिलियन अमरीकी डालर) हो गया।

भारतीय कंपनियां जो सेवाओं के चार बड़े समूह (अर्थात् आईटी सेवाएं, साफ्टवेयर उत्पाद विकास, बीपीओ सेवाएं और इंजीनियरिंग सेवाएं) के माध्यम से सेवाएं प्रदान करती हैं, उन्हें 'अन्य सेवाएं' के अंतर्गत वगीकृत किया गया है। 'अन्य

सारणी 6: भारतीय कंपनियों की विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाओं के साफ्टवेयर कारोबार

(बिलियन रुपए)

गतिविधि	2011-12			2012-13			2013-14			2014-15			2015-16		
	स्थानीय	भारत को	अन्य देश को	स्थानीय	भारत को	अन्य देश को	स्थानीय	भारत को	अन्य देश को	स्थानीय	भारत को	अन्य देश को	स्थानीय	भारत को	अन्य देश को
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)
आईटी सेवाएं	27.5	10.7	5.4	23.9	1.8	0.4	37.4	2.0	3.0	28.5	2.2	3.1	36.5	3.2	8.1
साफ्टवेयर उत्पाद विकास	1.6	0.7	8.0	5.0	2.3	11.2	0.0	0.0	14.1	7.4	0.6	16.4	3.7	0.5	15.8
बीपीओ सेवाएं	31.0	4.4	12.3	15.9	0.4	3.6	7.1	0.1	0.2	17.4	2.3	6.2	58.0	0.9	7.6
इंजीनियरिंग सेवाएं	1.5	0.3	20.6	1.6	0.5	0.0	0.1	0.0	0.0	4.5	0.0	0.1	0.9	0.2	0.1
अन्य सेवाएं	391.8	0.4	20.8	307.4	184.6	28.9	644.3	274.6	118.9	783.9	330.6	131.1	1,240.6	318.2	142.5
कुल (बिलियन रुपए)	**453.4**	**16.4**	**67.0**	**353.8**	**189.6**	**44.1**	**689.0**	**276.7**	**136.2**	**841.7**	**335.7**	**156.9**	**1,339.7**	**323.0**	**174.1**
कुल (बिलियन अमरीकी डालर)	**9.5**	**0.3**	**1.4**	**6.5**	**3.5**	**0.8**	**11.4**	**4.6**	**2.3**	**13.8**	**5.5**	**2.6**	**20.5**	**4.9**	**2.7**

सेवाएं' के अंतर्गत विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाएं भारत के बाहर साफ्टवेयर सेवाएं देने का प्रमुख स्रोत रही हैं। विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाओं द्वारा सभी देशों को प्रदान की गई साफ्टवेयर सेवाओं में 'आईटी सेवाएं' तथा 'बीपीओ सेवाएं' बढ़ी हैं जबकि 'साफ्टवेयर उत्पाद विकास' और 'इंजीनियरिंग सेवाएं' घटी हैं।

विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाओं द्वारा 2015-16 के दौरान किए गए कुल साफ्टवेयर कारोबार में अमरीका का हिस्सा लगभग दो-तिहाई था, उसके बाद यूके का हिस्सा था जो तकरीबन नौ प्रतिशत था। 2015-16 के दौरान विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाओं द्वारा किए गए कुल साफ्टवेयर कारोबार में अन्य प्रमुख देशों में, अमरीका और कनाडा का हिस्सा घट गया था जबकि यूके और जर्मनी का हिस्सा बढ़ गया था (सारणी 7)।

सारणी 7: भारतीय कंपनियों की विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाओं के साफ्टवेयर कारोबार - देशवार विभाजन

(प्रतिशत)

देश	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
अमरीका	65.0	71.3	65.4	66.7	64.6
युनाइटेड किंगडम	5.3	6.6	7.9	8.0	9.2
कनाडा	3.6	4.1	4.1	3.3	2.4
जर्मनी	2.9	3.0	3.5	2.4	2.9
सिंगापुर	4.4	2.7	3.3	3.3	3.3
नेदरलैंड	4.3	2.1	3.2	2.3	2.5
अन्य देश	14.5	10.2	12.6	14.0	15.1
कुल	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

IX. समापन

भारतीय साफ्टवेयर उद्योग विदेशों में अपनी उपस्थिति बनाए रखने के साथ-साथ काफी अच्छी वृद्धि दर्ज करता रहा है, बावजूद इसके कि हाल के वर्षों में विश्व में संवृद्धि की गति धीमी पड़ी हुई है। लेकिन, 2015-16 के दौरान कंप्यूटर साफ्टवेयर और आईटीईएस/बीपीओ कंपनियों के भारतीय निर्यात की गति अमरीकी डालर के हिसाब से धीमी थी। वर्ष के दौरान कंप्यूटर साफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात की वृद्धि गति आईटीईएस/बीपीओ निर्यात की तुलना में धीमी थी।

भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय व्यापार में दी गई कुल साफ्टवेयर सेवाओं, विदेशों में स्थापित विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाओं द्वारा दी गई सेवाओं सहित, का मूल्य 7102.8 बिलियन रुपए (108.5 बिलियन अमरीकी डालर) था, जबकि भारतीय कंपनियों की विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाओं के निर्यात 2015-16 में 1836.8 बिलियन रुपए (28.1 बिलियन अमरीकी डालर) था। साफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात में मोड-1 (सीमापार सप्लाई) प्रमुख मोड के रूप में बना रहा है तथा 2015-16 में कुल साफ्टवेयर निर्यात में आन-साइट निर्यात का हिस्सा एक-बटे-पांच था।

भारतीय कंपनियों की विदेशी मान्यताप्राप्त संस्थाओं द्वारा साफ्टवेयर निर्यात एवं साफ्टवेयर कारोबार के लिए अमरीका प्रमुख गंतव्य बना रहा हालांकि हाल के वर्षों में वहां कुछ-कुछ परिवर्तन हुए हैं। लगभग तीन-चौथाई साफ्टवेयर निर्यात के लिए अमरीकी डालर इनवाइस करेंसी बना रहा है।

बॉक्स : सर्वेक्षण के नतीजों की नास्काम और भुगतान संतुलन डेटा के साथ तुलना

भारतीय रिज़र्व बैंक बीओपी (भुगतान संतुलन) में सॉफ्टवेयर निर्यात से संबंधित आंकड़े प्रकाशित करता है जो प्राधिकृत व्यापारियों, एसटीपीआई और नास्काम द्वारा जारी सॉफ्टवेयर निर्यात आंकड़ों पर आधारित होता है। इसमें केवल अभौतिक (ऑफसाइट) सॉफ्टवेयर निर्यात की गणना की जाती है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रकाशित बीओपी डेटा के अनुसार, 2015-16 में अभौतिक (ऑफसाइट) सॉफ्टवेयर निर्यात 4,854.6 बिलियन रुपये था जिसमें आनसाइट सॉफ्टवेयर निर्यात शामिल नहीं था। सर्वेक्षण में दी गई सूचना के अनुसार, 145.7 बिलियन रुपये (17.5 बिलियन अमरीकी डॉलर) आनसाइट सॉफ्टवेयर निर्यात को जोड़कर 2015-16 में कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात 6,000.3 बिलियन रुपये (91.7 बिलियन अमरीकी डॉलर) था।

नास्काम, आईटी-बीपीओ उद्योग के निर्यात की जानकारी प्रकाशित करता है जो भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों के पूरे विश्व में सॉफ्टवेयर कारोबार पर आधारित होता है अर्थात भारतीय कंपनियों के सॉफ्टवेयर तथा उनकी विदेशी सहयोगी कंपनियों के सॉफ्टवेयर कारोबार पर आधारित जानकारी। तदनुसार, भारतीय रिज़र्व बैंक के सर्वेक्षण के माध्यम से कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकीगत निर्यात के संबंध में तैयार किए गए आंकड़ों को नॉसकाम डेटा से तुलनीय बनाने के लिए सर्वेक्षण के आधार पर भारतीय कंपनियों की विदेशी सहयोगी संस्थाओं के सॉफ्टवेयर कारोबार को भारत की आकलित सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात में जोड़ दिया गया है।

सर्वेक्षण के आधार पर, वर्ष 2015-16 में भारत से सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात 5,763.1 बिलियन रुपये (88.0 बिलियन अमरीकी डॉलर) था और वर्ष 2015-16 में विदेश में भारतीय सहयोगी कंपनियों द्वारा किया गया सॉफ्टवेयर कारोबार 1,339.7 बिलियन रुपये (20.5 बिलियन अमरीकी डॉलर) था। इस प्रकार से, सर्वेक्षण के आधार पर भारत का वैश्विक सॉफ्टवेयर निर्यात 7,070 बिलियन रुपये (108.0 बिलियन अमरीकी डॉलर) था जबकि नास्काम द्वारा प्रकाशित यह निर्यात 7,102.8 बिलियन रुपये (108.5 बिलियन अमरीकी डॉलर) था। सर्वेक्षण में किए गए आकलन के अनुसार भारतीय कंपनियों की विदेशी सहयोगी कंपनियों द्वारा किया गया सॉफ्टवेयर कारोबार पूरे विश्व के सॉफ्टवेयर कारोबार का 18.9 प्रतिशत था।

सर्वेक्षण के नतीजों की तुलना सॉफ्टवेयर निर्यात के बारे में नास्काम द्वारा प्रकाशित डेटा तथा बीओपी के सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात डेटा से की जा सकती है।

2015-16 में भारत के सॉफ्टवेयर निर्यात का समायोजन

(बिलियन रुपये)

नास्काम के अनुसार सॉफ्टवेयर निर्यात (वैश्विक कारोबार)	वार्षिक सर्वेक्षण पर आधारित सॉफ्टवेयर निर्यात			भुगतान संतुलन सांख्यिकी पर आधारित सॉफ्टवेयर निर्यात		
	भारतीय कंपनियां मोड-1, मोड 2 और 4	विदेश में सहयोगी कंपनियां (मोड 3 एवं भारत को छोड़कर सहयोगी कंपनियों का निर्यात)	वैश्विक कारोबार	बीओपी डेटा पर आधारित सॉफ्टवेयर निर्यात	सर्वेक्षण पर आधारित आनसाइट सॉफ्टवेयर निर्यात (मोड 4)	भारत का कुल सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात
(1)	(2)	(3)	(4)=(2)+(3)	(5)	(6)	(7)=(5)+(6)
7,070.6	5,763.1	1,339.7	7,102.8	4,854.6	1,145.7	6,000.3

अनुबंध

प्रतिक्रिया न देनेवाली कंपनियों के सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात के आकलन की कार्यप्रणाली

2015-16 की अवधि के लिए सॉफ्टवेयर एवं आईटी सेवा निर्यात के संबंध में वार्षिक सर्वेक्षण के लिए लगभग 7,200 सॉफ्टवेयर एवं आईटीईएस/बीपीओ कंपनियों को चुना गया। इनमें से, 1,162 कंपनियों ने सर्वेक्षण में प्रतिक्रिया दी जिसमें से 123 कंपनियों ने शून्य और बंद हो गई जानकारी दी। प्रतिक्रिया न देने वाली कंपनियां सामान्यतया छोटी कंपनियां थीं, और आंकड़े उपलब्ध कराने वाली 1,039 सक्रिय कंपनियों में क्षेत्र की सभी बड़ी कंपनियां शामिल थीं।

पाए गए अनुपात का प्रयोग करते हुए प्रतिक्रिया न देने वाली 6,038 कंपनियों में से शून्य निर्यात वाली कंपनियों का अनुमान लगाया गया और निम्नलिखित उपाय के जरिए प्रतिक्रिया न देने वाली शेष 5,399 कंपनियों में से उनके सॉफ्टवेयर निर्यात का अनुमान लगाया गयाः-

I. आईटीईएस/बीपीओ गतिविधि के आधार पर कंपनियों को चार समूहों में वर्गीकृत किया गया है, अर्थात् आईटी सेवाएं, आईटीईएस/बीपीओ सेवाएं, इंजीनियरिंग सेवाएं तथा सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास सेवाएं (जिनका संबंधित समूह में शत-प्रतिशत कारोबार है)।

II. अन्य कंपनियों को वर्गीकृत करने के लिए जिनमें उनकी कारोबार गतिविधि के रूप में इनका मिश्रण है, आईटी, बीपीओ, इंजीनियरिंग एवं सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास सेवाओं में उनके निर्यात के सूचित किए गए अनुपात का उपयोग किया गया।

III. सूचित आंकड़ों के आधार पर, यह पाया गया था कि आन-साइट सॉफ्टवेयर निर्यात प्रमुख रूप से बड़ी कंपनियों द्वारा सूचित किया गया था। इसलिए, प्रतिक्रिया न देने वाली कंपनियों के सॉफ्टवेयर निर्यात का अनुमान लगाने के लिए केवल ऑफशोर सॉफ्टवेयर निर्यात का उपयोग किया गया था।

IV. यह पाया गया कि इन समूहों में से प्रत्येक समूह में निर्यात के वितरण झुकाव अत्यधिक सकारात्मक रूप से हुआ है, इसलिए प्रत्येक समूह में सॉफ्टवेयर निर्यात का आकलन करने के लिए मध्यमान (मीडियन) का उपयोग किया गया।

प्रतिक्रिया न देने वाली कंपनियों के अमुक समूह का अनुमानित सॉफ्टवेयर निर्यात

$$= \text{अमुक समूह का मध्यमान} * \left[\frac{\text{\# अमुक समूह में सूचित कंपनियां}}{\text{सूचित कंपनियों की कुल संख्या}} * \right]$$

[# प्रतिक्रिया न देने वाली कंपनियां]

भारत के कुल सॉफ्टवेयर निर्यात का संकलन प्रत्येक चार समूहों में प्रतिक्रिया न देने वाली कंपनियों के सूचित सॉफ्टवेयर निर्यात और अनुमानित सॉफ्टवेयर निर्यात के योग के रूप में किया गया है।

उपर्युक्त पद्धति का उपयोग करते हुए, यह अनुमान लगाया गया कि प्रतिक्रिया न देने वाली कंपनियों का सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात लगभग 1290.3 बिलियन रुपए (कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात का लगभग 22.4 प्रतिशत) था।